न्यूज डायरी

पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से जुड़ा है पावर ग्रिड को बाधित करने वाला हैकिंग ग्रुप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मैसाचुसेट्स। अमेरिकी साइबर सुरक्षा फर्म रिकॉर्डेड फ्यूचर ने अपनी एक रिपोर्ट में बड़ा दावा किया है। अमेरिकी साइबर सुरक्षा फर्म रिकॉर्डेड फ्यूचर की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी हैकरों ने भारत के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की जानकारी और भविष्य की गतिविधि के लिए लद्दाख में स्थित भारत के पावर ग्रिड को निशाना बनाया था। इस महीने की शुरुआत में जारी की गई रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हैकर्स द्वारा जरूरी बुनियादी ढांचे और भविष्य की गतिविधि के लिए पूर्व–स्थिति के बारे में भी जानकारी एकत्र की गई है। दरअसल, रिपोर्ट में कहा गया है कि यह लक्ष्यीकरण महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रणालियों के आसपास की जानकारी एकत्र करने या भविष्य की गतिविधि के लिए पूर्व–स्थिति को सक्षम करने के इरादे से किया गया है। साथ ही रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया है कि बिजली केंद्रों में चीनी घुसपैठ का उद्देश्य इन जटिल प्रणालियों के बारे में जानकारी हासिल करना भी हो सकता है, ताकि भविष्य में इनके उपयोग की क्षमता विकसित की जा सके।

भाई नवाज के भी नहीं हुए पाकिस्तानी पीएम शहबाज, भड़कीं मरियम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ कैबिनेट के गठन के साथ ही शरीफ परिवार में फूट पड़ती नजर आ रही है। लंबे इंतजार के बाद सत्ता में आए शहबाज शरीफ ने अपनी 33 सदस्यीय कैबिनेट में भाई नवाज शरीफ के करीबी पीएमएल एन नेताओं को किनारे लगा दिया है। नए पाकिस्तानी पीएम ने नवाज शरीफ के केवल एक समर्थक को कैबिनेट में जगह दी है। चाचा शहबाज शरीफ के इस दांव से नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज भड़की हुई हैं। उन्होंने अपनी नाखुशी को जाहिर कर दिया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक शहबाज की कैबिनेट में मंत्रियों के चयन और उनके विभागों के बंटवारे पर पार्टी के अंदर दो फाड़ हो गया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने यूक्रेन में सैन्य संघर्ष समाप्त करने की मांग को दोहराया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयार्क। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर यूक्रेन में तत्काल युद्ध की मांग को दोहराया है। यूएनएससी बैठक में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि, आर रवींद्र ने कहा कि मानवीय कार्रवाई हमेशा मानवीय सहायता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मानवता, तटस्थता, निष्पक्षता, और स्वतंत्रता इन उपायों का कभी भी राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। रवींद्र ने बताया कि भारत यूक्रेन में युद्ध के कारण लगातार बिगड़ रही स्थिति को लेकर गहराई से चिंतित है। बैठक में भारत ने हिंसा और शत्रुता को तत्काल समाप्त करने के अपने आह्वान को दोहराता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारत ने संघर्ष की शुरुआत से ही कूटनीति और बातचीत के रास्ते पर चलने की बात कही है। मौजूदा वक्त में बहुत से निर्दोषों का जीवन दांव पर है, ऐसे में कूटनीति को ही एकमात्र व्यवहार्य विकल्प के रूप में प्रबल है।

चीन की खतरनाक चाल, सोलोमन द्वीप के साथ किया सुरक्षा समझौता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन ने दुनियाभर से हो रही आलोचनाओं को धता बताते हुए दक्षिणी प्रशांत महासागर में सैन्य दबदबा कायम करने के लिए कदम बढ़ा दिया है। चीन ने प्रशांत महासागर के छोटे से द्वीप सोलोमन के साथ विवादास्पद सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किया है। ऐसा पहली बार होगा जब चीनी सेना पीएलए ऑस्ट्रेलिया की सीमा से मात्र 2 हजार किमी दूर पहुंचने जा रही है। ऑस्ट्रेलिया और पश्चिमी देशों को डर सता रहा है कि चीन अब सोलोमन द्वीप पर सैन्य अड्डा बना सकता है। इससे पहले चीन ने अफ्रीका के जिबूती में सैन्य अड्डा बनाकर दुनिया को अपनी ताकत का अहसास कराया था। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि दोनों देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इससे दो दिन पहले एक अमेरिकी दल सोलोमन द्वीप पहुंचा था ताकि सोलोमन द्वीप की चीन समर्थक सरकार को चेतावनी दी जा सके।

रूस–यूक्रेन युद्ध में पुतिन के जीते इलाके में जेलेंस्की का बड़ा पंच

जंग

दोनबास के इस शहर पर यूक्रेनी सेना का कब्जा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कीव। यूक्रेन के पूर्वी इलाके दोनबास में जंग के 56वें दिन रूसी सेना लगातार हमले कर रही है। रूस की कोशिश किसी भी तरह से दोनबास पर पूरी तरह से कब्जा करने की है। इस बीच यूक्रेन की सेना भी रूस को करारा जवाब दे रही है और जवाबी कार्रवाई करते हुए मरिन्का शहर को फिर से रूसी सेना के कब्जे से मुक्त करा लिया है। यूक्रेन की सेना का कहना है कि रूसी सेना खारकीव में यूक्रेनी सेना और महत्वपूर्ण आधारभूत ढांचे को निशाना बना रही है। वहीं इजयूम के दक्षिण में रूसी सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

यूक्रेन की सेना ने बताया कि उन्होंने जवाबी कार्रवाई करते हुए दोनेट्स्क इलाके के मरिन्का शहर पर फिर से कब्जा कर लिया है। उन्होंने दावा किया कि रूस बेलारूस से लगातार अपनी सेना को यूक्रेन के अंदर बुला रहा है और वहां से हमले भी कर रहा है। इस बीच ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय

ने यूक्रेन की जंग का ताजा अपडेट देते हुए कहा है कि रूस का अब पूरा फोकस दोनबास के इलाके पर है।

रूसी सेना मारियुपोल पर पूरी तरह से कब्जा करने के लिए हमले कर रही: ब्रिटेन ने कहा कि यूक्रेनी सेना दोनबास में रूस की ओर से किए जा रहे कई हमलों को विफल साबित कर रही है। रूस अभी भी पर्यावरण, लॉजिस्टिक और तकनीकी दिक्कतों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूसी सेना मारियुपोल पर पूरी तरह से कब्जा करने के लिए भीषण हमले कर रही है। यहां यूक्रेन के करीब 3 हजार सैनिक एक विशाल स्टील फैक्ट्री में डटे हुए हैं। ब्रिटेन ने कहा कि इससे साबित हो रहा है कि रूस अपने लक्ष्य को उतनी तेजी से हासिल नहीं कर सका है जितना वह सोच रहा था।

इस बीच रूस ने दावा किया है कि उसने मिसाइलों, हवाई हमलों और तोपों से 1,200 से अधिक यूक्रेनी ठिकानों को निशाना बनाया है। सड़कों पर लड़ाई शुरू हो गई है, क्योंकि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेना ने पूर्वी यूक्रेन में डोनबास क्षेत्र में अपना नया आक्रमण शुरू किया है। डेली मेल के मुताबिक, रूसी सैनिकों ने लगातार बमबारी के घंटों के बाद पूर्वी शहर क्रेमिन्ना पर कब्जा करने में कामयाबी हासिल की। पुतिन के सैनिकों और यूक्रेनी बलों के बीच मुठभेड़ जारी है। लुहान्स्क के क्षेत्रीय गवर्नर सेरही हैदई ने कहा, 'क्रेमिना शहर पर नियंत्रण कर लिया गया है, सड़क पर लड़ाई हो रही है।'

रूस ने 'डोनबास के लिए लड़ाई' शुरू कर दीरू जेलेंस्कीः उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने 'डोनबास के लिए लड़ाई' शुरू कर दी है। डाउनिंग स्ट्रीट को चेतावनी दी गई है कि लड़ाई 'महीनों' तक चल सकती है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने मंगलवार को एक कैबिनेट बैठक में कहा कि यूक्रेन की स्थिति दयनीय है, क्योंकि पुतिन अपनी जीत पर के लिए मानव जीवन की परवाह नहीं कर रहे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मिल सकते हैं बिलावल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी लंदन रवाना हो गए हैं जहां वे पूर्व प्रधानमंत्री व पीएमएल–एन सुप्रीमो नवाज शरीफ से मुलाकात कर सकते हैं।

संभावना जताई जा रही है कि वे देश में मौजूदा राजनीतिक हालात को लेकर नवाज शरीफ के साथ चर्चा करेंगे। द न्यूज इंटरनेशनल को पीपीपी के सेक्रेटरी जनरल फरहातुल्ला बाबर ने बताया, शनवाज शरीफ से मुलाकात का अहम मकसद गठबंधन सरकार की बधाई देना और मौजूदा राजनीतिक हालात से अवगत कराना है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि शहबाज शरीफ और गठबंधन की पार्टियों के बीच कुछ मतभेद थे जिसे प्रधानमंत्री शरीफ सुलझाना चाहते थे। उन्होंने बताया कि बिलावल कैबिनेट में नवाज शरीफ के साथ ANP-BNP और मोहसिन डावर को भी शामिल करना चाहते थे।

पाकिस्तान के कार्यकारी राष्ट्रपति सादिक संजरानी ने मंगलवार को 34 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को शपथ दिलाई। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष 33 वर्षीय बिलावल भुट्टो हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान की गठबंधन सरकार में पीपीपी दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है।

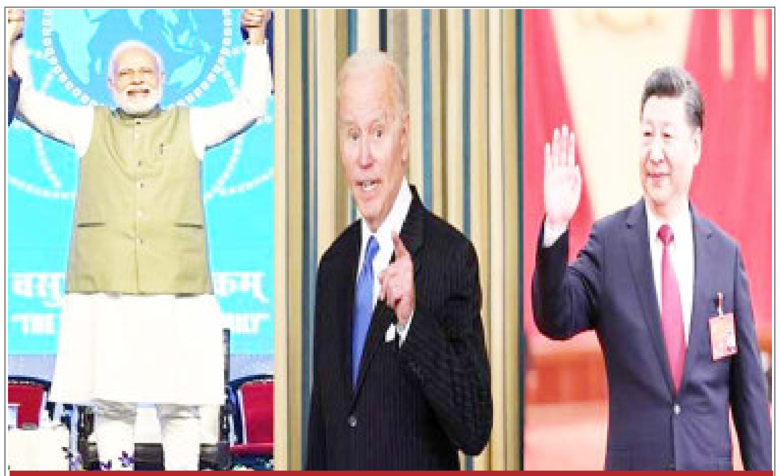

आर्थिक वृद्धि दर में भारत पड़ेगा अमेरिका और चीन दोनों पर भारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। इंटरनेशनल मोनेटरी फंड ने अनुमान लगाया है कि वित्त वर्ष 2022–23 में भारत की ग्रोथ रेट 8.2 रह सकती है। आईएमएफ की तरफ से लगाया गया ये अनुमान इसलिए बेहद खास है क्योंकि अमेरिका और चीन के बारे में उसका जो अनुमान है, भारत उससे कहीं आगे है। आईएमएफ की मानें तो कोरोना महामारी और यूक्रेन–रूस युद्ध का असर अमेरिका की आर्थिक वृद्धि पर नकारात्मक असर डाल सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने वर्ष 2022 के लिए भारत के विकास दर के अनुमान को घटा दिया है।

एशिया से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक ब्लैक आउट, अलर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेलबर्न। धरती को गत रविवार को सूरज से उठे भीषण तूफान का सामना करना पड़ा। सौर तूफान की वजह से दक्षिण पूर्वी एशिया से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक कई इलाकों में इसका असर देखा गया। अमेरिका के अंतरिक्ष मौसम भविष्यवाणी केंद्र ने बताया कि इस जियोमैग्नेटिक तूफान से शार्टवेव रेडियो ने दोनों ही महाद्वीपों में काम करना बंद कर दिया। धरती पर सौर तूफान 17 अप्रैल को अपने चरम पर था। इसके बाद सूरज में जोरदार विस्फोट हुआ जिसे कोरोनल मास इजेक्शन कहा जाता है।

कोरोनल मास इजेक्शन सबसे

सूरज से धरती पर आया ऐसा भीषण तूफान

शक्तिशाली सौर तूफानों में से एक है। कोरोनल मास इजेक्शन की वजह से अंतरिक्ष में गैस का गुबार और चुंबकीय क्षेत्र पैदा होता है। अंतरिक्ष मौसम भविष्यवाणी केंद्र के अधिकारियों ने इसे एक एक्स1.1 श्रेणी के तूफान के रूप में दर्ज किया है। यह करीब 34 मिनट तक चला। X श्रेणी के तूफान सूरज पर सबसे शक्तिशाली होते हैं। अधिकारियों ने पाया कि एक तूफान 2994 और 2993 क्षेत्रों से निकला था। इस इलाके से अक्सर सौर तूफान उठते रहते हैं।

अंतरिक्ष मौसम भविष्यवाणी केंद्र ने कहा कि सौर तूफान की सक्रियता अभी अगले सप्ताह तक बनी रहेगी। ईस्टर के दिन आए सौर तूफान को टाइप 2 श्रेणी के सौर तूफानों में जगह दी गई है। स्पेसवेदर डॉट कॉम के मुताबिक 17 मई को उठा सौर तूफान केवल शुरुआत हो सकता है और आने वाले समय में और तेज सौर तूफान आ सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि सूरज पर एक सप्ताह से ज्यादा समय से सक्रिय था और अंतरिक्ष में कोरोनल मास इजेक्शन तथा प्लाज्मा को छोड़ रहा था।

अब पृथ्वी को इसका सामना करना पड़ रहा है और इसमें कमी आने के कोई संकेत नहीं हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछले कई वर्षों में हमने सूरज में काफी कम हलचल देखी है।

व्हाइट हाउस ने कहा- कीव को मिले अधिक फाइटर प्लेन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। रूस के साथ जारी युद्ध के बीच यूक्रेन को नई ताकत मिली है। यूक्रेन के बेड़े का आकार और बड़ा हो गया है। अमेरिकी रक्षा विभाग के प्रवक्ता जान किर्बी ने बताया कि यूक्रेन को अतिरिक्त एयरक्राफ्ट और उसके स्पेयर पार्ट्स मिले हैं। एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा, यूक्रेन को विमान बेड़े का आकार बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्लेटफार्म्स और पार्ट्स मिले हैं। यहां प्लेटफार्म का मतलब एयरप्लेन से है। हवा में उन्हें मदद के लिए अतिरिक्त एयरक्राफ्ट और इसके पार्ट्स प्राप्त हुए हैं। हालांकि, उन्होंने ये स्पष्ट किया कि अमेरिका ने यूक्रेन को एयरक्राफ्ट नहीं दिया है। इसी बीच, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता जेन साकी ने कहा कि अमेरिका, यूक्रेन को अधिक गोला–बारूद और सैन्य सहायता प्रदान करना जारी रखेगा। उन्होंने आगे कहा, स्पष्ट रूप से हम ड्राडाउन पैकेज से यूक्रेन को और पैसा दे सकते हैं। इसको लेकर रक्षा विभाग और हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ काम किया जा रहा है।